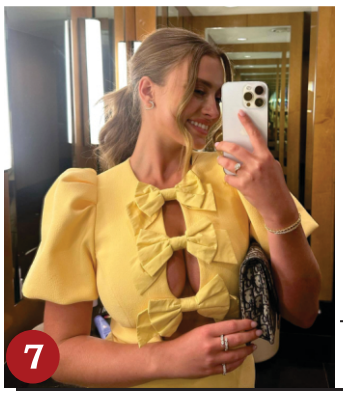

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 गोरखपुर में सड़क से हटीं रोडवेज की बसें... परिसर में खड़ी हुईं तो खत्म हो गया जाम

5 यूपी के अरबपतिः हुरुन इंटरनेशनल की ताजा सूची में नया कीर्तिमान

8 'एक ही तक सीमित नहीं रहना है...

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 12 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 16 अक्टूबर, 2023

कागजों में 186 डेंगू के मरीज

गोरखपुर-हर दिन कहां खप रही 350 यूनिट प्लेटलेट्स

गोरखपुर। गोलघर काली मंदिर के पास रहने वाले मंजीत श्रीवास्तव ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट डालकर डेंगू का प्रकोप बढ़ने का जिक्र कर स्वास्थ्य विभाग से एंटी लार्वल छिड़काव पर ध्यान देने सहित अस्पताल में पर्याप्त इंतजाम की अपील की। इसी क्रम में दिग्विजयनगर वार्ड नंबर 16 के पार्षद ऋषि मोहन वर्मा ने वार्डवासियों के साथ बैठक कर न सिर्फ डेंगू से बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया, बल्कि फागिंग और एंटी लार्वल छिड़काव की व्यवस्था सुदृढ़ करने की योजना बनाई।

ये दो मामले डेंगू के बढ़ते प्रकोप का अहसास कराते हैं। प्लेटलेट्स की लगातार बढ़ती मांग पर नजर डालें तो यह पुष्ट भी हो जाता है। बढ़ती मांग को देखते हुए ब्लड बैंक प्रभारियों ने लोगों से रक्तदान की अपील की है, ताकि सभी रोगियों की जरूरतें पूरी की जा सकें।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में रोगियों की संख्या मात्र 186 है। इसके बाद भी लगभग 350 यूनिट प्लेटलेट्स की प्रतिदिन जरूरत पड़ रही है। जिला अस्पताल में एक सप्ताह पहले 10–12 यूनिट प्लेटलेट्स की मांग आती थी, अब यह बढ़कर 30 यूनिट हो गई है। 25–30 यूनिट प्लेटलेट्स की आपूर्ति प्रतिदिन बीआरडी मेडिकल कालेज के ब्लड बैंक से भी हो रही है।

गुरु श्रीगोरक्षनाथ ब्लड बैंक से प्रतिदिन 80–90 यूनिट प्लेटलेट्स की आपूर्ति होती थी, इस समय बढ़कर 120 हो गई है। ब्लड बैंक रक्त की कमी पूरी करने के लिए कैंप लगा रहे हैं, ताकि लोगों की जरूरत पूरी की जा सके। जिन रोगियों का प्लेटलेट्स 10 हजार प्रति माइक्रोलीटर रक्त है, उन्हें चार से छह यूनिट प्लेटलेट्स चढ़ाना पड़ रहा है। आर्यनगर, जाफरा बाजार, दीवान बाजार, शाहपुर, तुर्कमानपुर, रामजानकी नगर, गोलघर, अलहदादपुर, घंटाघर समेत अनेक मोहल्लों में लोग डेंगू के प्रकोप से परेशान हैं।

गोरखपुर में सरकारी अस्पतालों से लेकर प्राइवेट हास्पिटल तक डेंगू रोगियों की भरमार है। हालांकि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जिले में सिर्फ 186 डेंगू मरीज हैं। मरीजों के बढ़ने का असर ही है कि लगभग 350 यूनिट प्लेटलेट्स की रोज जरूरत पड़ रही है। वहीं रक्तदान कैंप लगाए जा रहे हैं ताकि सभी रोगियों की जरूरतें पूरी की जा सकें।

दो किशोरों समेत डेंगू के मिले सात रोगी

डेंगू संक्रमण की जांच में एक दिन में सात लोगों की रिपोर्ट पाजिटिव आई है। इसमें दो किशोर भी शामिल हैं। पांच रोगियों की तबीयत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। 18 भर्ती रोगियों का उपचार चल रहा है। काली मंदिर व तारामंडल की एक–एक महिलाओं में संक्रमण मिला है। इनकी उम्र क्रमशरू 49 व 29 वर्ष है।

घंटाघर, साहबगंज, तुर्कमानपुर, रामजानकी नगर व अलहदादपुर के एक–एक व्यक्ति की रिपोर्ट पाजिटिव आई है। इनकी उम्र क्रमशरू 15, 32, 15, 57, 22 वर्ष है। जिला मलेरिया नियंत्रण अधिकारी अंगद सिंह ने बताया कि तीन घरों को नोटिस जारी किया गया है। 1453 स्थानों पर एंटीलार्वल का छिड़काव किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग लार्वा मिलने पर दे रहा नोटिस

अब तक 172 लोगों के घरों में टूटे–फूटे बर्तनों, कूलर, गमलों में जमा पानी में मच्छरों के लार्वा मिले हैं, उन्हें नोटिस जारी कर सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है। 440106 स्थानों पर एंटीलार्वल का छिड़काव किया गया है।

क्या कहते हैं डाक्टर

डेंगू सबसे पहले लिवर पर ही हमला करता है। रोगी कैपिलरी लीक सिंड्रोम के शिकार हो जाते हैं, इसमें रक्त से पानी स्रवित होकर पेट या फेफड़ों में भरने लगता है। जिन रोगियों के पेट या फेफड़ों में पानी मिला, उनमें से अनेक का मधुमेह अनियंत्रित था और प्लेटलेट्स 10 हजार के आसपास था। बुखार उतरने के बाद भी चार दिन आराम करें और पर्याप्त पानी पीएं, इससे डेंगू की जटिलताओं से बचे रहेंगे।

15वीं किस्त जारी होने से पहले चेक करें लाभार्थी सूची में अपना नाम

नई दिल्ली। क्या आप किसी सरकारी योजना का लाभ लेते हैं? अगर नही और आप पात्र हैं तो आप इनसे जुड़ सकते हैं। राज्य सरकारों के अलावा केंद्र सरकार भी कई तरह की लाभकारी और कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। जैसे- किसानों के लिए केंद्र सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना चला रही है। इसमें किसानों को साल में ३ बार २-२ हजार रुपये की किस्त दी जाती है और ऐसा करके उन्हें सालाना कुल ६ हजार रुपये का लाभ पहुंचाया जाता है। इसी कड़ी में इस बार १५वीं किस्त जारी होने वाली है। इसलिए आपका लाभार्थी सूची देखना भी जरूरी हो जाता है, जिससे आप जान सकते हैं आपको १५वीं किस्त मिल पाएगी या नहीं। तो चलिए जानते हैं आप लाभार्थी सूची कैसे देख सकतें हैं।

15वीं किस्त कब आ सकती है?

पीएम किसान योजना की १५वीं किस्त को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नवंबर माह में ये किस्त जारी हो सकती है। हालांकि, अब तक पोर्टल पर इसको लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। पीएम किसान योजना के अंतर्गत आप जान सकते हैं कि लाभार्थी सूची में किस्त को लेकर आपका स्टेटस क्या है

ऐसे में आपको योजना की आधिकारिक वेबसाइट चउपेंद.हवअ.पद पर जाना होता है

वेबसाइट पर जाने के बाद आपको यहां पर बेनिफिशियरी सूची वाला विकल्प दिखेगा

फिर जब आप जरूरी जानकारियां भर देंगे, तो आपको गेट डिटेल पर क्लिक कर देना है

अब आप देख पाएंगे कि आपका नाम लाभार्थी सूची में है या फिर नहीं है

इस लिस्ट में नाम होने का मतलब आपको किस्त का लाभ मिल सकता है।

हर्ष पल्लव की हुई वतन वापसी

गोरखपुर। स्कालरशिप के जरिये इजराइल में मास्टर कोर्स की पढ़ाई करने गए मोहद्दीपुर के हर्ष अग्रहरि समय पर मोबाइल फोन का संदेश न पढ़ पाने की वजह से फंसे रह गए। पिता अशोक कुमार अग्रहरि ने मुख्यमंत्री व विदेश मंत्रालय को पत्र भेजकर बेटे की वतन वापसी कराने की मांग की है। हालांकि, हर्ष जहां हैं, वहां इजराइल-हमास युद्ध का अभी प्रभाव नहीं है। मोहद्दीपुर के रहने वाले अशोक कुमार अग्रहरि ने बताया कि बेटा थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला से स्कालरशिप प्राप्त कर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री के लिए २०२१ में इजराइल की तेल अवीव यूनिवर्सिटी गया। हर साल वह दीपावली पर घर आता है। इस बार भी वह तैयारी में था और घर आने का टिकट करा लिया था। इसी बीच इजराइल व हमास के बीच युद्ध छिड़ गया है, इसलिए वहां रहना खतरे से खाली नहीं है। बेटे से बात हो रही है, इसलिए थोड़ी राहत है। उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी की वार्डेन ने भारतीय छात्रों के मोबाइल फोन पर संदेश भेजा कि वहां के लिए फ्लाइट जाने वाली है। बेटे का साथी छात्र आवास विकास कालोनी, शाहपुर का हर्ष पल्लव गोविंद राव संदेश पढ़कर एयरपोर्ट पहुंच गया। वहां से हर्ष को फोन किया, लेकिन तब देर हो चुकी थी। बेटा भी संदेश पढ़ लिया होता तो शुक्रवार की शाम तक घर रहता। दूसरा बेटा दिव्यांशु भी पटियाला की थापर यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस पढ़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री और विदेश मंत्रालय से बेटे की वतन वापसी की मांग की है।

देवरिया कांड-प्रेमचंद के भाई की एक काल पर सत्यप्रकाश दुबे के घर पहुंचा था नवनाथ, खत्म कर दिया था पूरा परिवार

रुद्रपुर। जिस लाइसेंसी असलहा की गोली से सत्यप्रकाश दुबे के साथ तीन स्वजन की निर्मम हत्या हुई थी। उस मुख्य आरोपित नवनाथ मिश्र को फोन कर प्रेमचन्द के भाई रामजी यादव ने बुलाया था। उसके बाद ही उसके दो दोस्तों से लाइसेंसी असलहा छीनकर उसने सत्यप्रकाश दुबे और उनकी पुत्री और पुत्र की निर्मम हत्या कर दी गई। यह आरोप घटना के मुख्य आरोपित नवनाथ मिश्र की पत्नी सुनीता मिश्रा ने लगाया है। कहा कि मेरे पति को प्रेमचन्द के भाई रामजी यादव ने ही मोबाइल फोन पर बुलाया था। मोबाइल फोन पर सिर्फ झगड़ा होने की बात कही थी। वह इस बात का भी दावा कर रही है। उसका आरोप है कि मेरे पति को फंसाया गया है। जिस लाइसेंसी असलहे को चालक को देने की बात कही जा रही है। उस वक्त प्रेमचन्द के परिवार की एक महिला ने ही दो रिश्तेदारों गोलू और संदीप को असलहा मुहैया कराया था। घटनास्थल पर ही नवनाथ छीनकर दुबे परिवार के तीन लोगों की हत्या कर दी। नवनाथ, प्रेमचन्द का लंबे समय से शागिर्द था।

देवरिया कांड के असली गुनाहगार नवनाथ मिश्रा की पत्नी ने दावा किया है कि प्रेमचंद यादव के भाई ने फोन कर झगड़ा होने की बात कहकर बुलाया था। उसके बाद ही रामजी के रिश्तेदारों से लाइसेंसी असलहा छीनकर उसने सत्यप्रकाश दुबे और उनकी पुत्री और पुत्र की निर्मम हत्या कर दी। उसका कहना है कि उसके पति को फंसाया गया है।

नौ दिन का उपवास

नारियल पानी

चाहे व्रत हो या ना हो, नारियल पानी का सेवन किसी भी समय करने से आपके शरीर की कई परेशानियां खत्म हो सकती हैं। अगर आप नौ दिन के व्रत में नारियल पानी पिएंगे तो इससे आपके शरीर में ऊर्जा की कमी नहीं होगी। ये आपको हाइड्रेट भी रखेगा।

मेवा

ड्राईफ्रूट के सेवन से शरीर को कई तरह की ऊर्जा मिलती है। ऐसे में कोशिश करें कि व्रत में जब भी हल्की भूख लगे तो थोड़े से मेवों का सेवन करें। इसके सेवन से आपकी एनर्जी में किसी तरह की कमी नहीं आएगी।

जूस

व्रत के दौरान सुबह जूस पीना काफी सही विकल्प है। इसे पीने से आपके शरीर में एक तो पानी की कमी नहीं होगी, साथ ही में इसके सेवन से आपकी ऊर्जा बनी रहेगी।

दूध

अगर आपको व्रत के दौरान भूख लग रही है लेकिन कुछ खाने का मन नहीं हैं तो आप एक गिलास ठंडा दूध पी सकते हैं। इससे आपका पेट भी भर जाएगा और साथ ही में आपको लो फील नहीं होगा।

लस्सी

अभी मौसम में इतना बदलाव नहीं आया है। ऐसे में आप दही से लस्सी बनाकर भी पी सकते हैं। कोशिश करें कि इसे लंच के समय पिएं, ताकि आपका पेट भरा रहे।

फलों की चाट

व्रत के बीच में हल्की भूख के लिए ये एक सबसे बेहतर विकल्प है। फलों की चाट खाने से आपके शरीर में स्फूर्ति बरकरार रहेगी।

सम्पादकीय

इजराइल-फिलिस्तीन झगड़े में विश्वगुरु बनने की चाहत!

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच छिड़ी जंग से कट्टर हिन्दू और कट्टर मुसलमान दोनों बहुत खुश हैं

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच छिड़ी जंग से कट्टर हिन्दू और कट्टर मुसलमान दोनों बहुत खुश हैं। ऐसे हिन्दुओं को इस बात में मजा आ रहा है कि मुसलमान मारे जा रहे हैं और मुसलमानों को इस बात में कि उनके लोग यहूदियों को सबक सिखा रहे हैं। इन दोनों फिरकों को कतई ये बुरा नहीं लग रहा है कि आखिर कत्ल तो बेगुनाह इंसानों का ही हो रहा है। दिक्कत ये है कि हमास को आतंकवादी संगठन कहने पर मुसलमान नाराज हो जाते हैं और इजराइल को आक्रान्ता बताने पर हिंदूवादी। दोनों ही भूल जाते हैं कि युद्ध किसी चीज का समाधान नहीं है, बल्कि वह समस्याएं ही पैदा करता है और उन्हें बढ़ाता भी है। लगभग डेढ़ साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध का अभी तक तो कोई नतीजा निकला नहीं है और न ही निकट भविष्य में ऐसा होता दिखाई देता है।

इधर हिन्दूवादियों को इस युद्ध ने मुसलमानों के खिलाफ एक और कुतर्क दे दिया है जिसके मुताबिक मुसलमान अगर ये मानते हैं कि इजराइल ने उनकी जमीन हथिया ली है और वो उन्हें वापस मिलनी चाहिये तो फिर वे अयोध्या, काशी और मथुरा हिन्दुओं को वापस क्यों नहीं दे देते। राजनीतिक रूप से निरक्षर लोगों को यह बात सही लग सकती है लेकिन वास्तव में इजराइल-फिलिस्तीन मामले की तुलना भारत के इन धर्मस्थलों से करना सिरे से गलत है। क्योंकि इनको लेकर विवाद थे नहीं, पैदा किये गये हैं और इनका निपटारा देश की अदालतें देर-सबेर कर ही देंगी। दूसरा- तमाम मतभेदों के बावजूद और कभी-कभार के तनाव या टकराव को छोड़ सभी धर्मों के मानने वाले शांति और भाईचारे के साथ इस देश में रहते आये हैं जबकि इजराइल ने फिलिस्तीनी आबादी को बहुत छोटे से इलाके में रहने को मजबूर कर रखा है और उस पर भी वह लगातार हमले करता रहता है।

इस युद्ध के साथ कांग्रेस के खिलाफ भी दुष्प्रचार का नया सिलसिला चल निकला है। कांग्रेस ने पहले ही दिन निर्दोष इजराइली नागरिकों की हत्या पर गहरा दुरुख व्यक्त किया, उनकी भर्त्सना की और युद्धविराम की अपील भी की। लेकिन फिलिस्तीन के अधिकारों की बात करते ही उस पर हमास समर्थक होने का लेबल चस्पा कर दिया गया क्योंकि कांग्रेस ने हमास की निंदा नहीं की। एक झूठ यह भी फैलाया जा रहा है कि फिलिस्तीनी नेता यासिर अराफात एक आतंकवादी थे, जिन्हें इंदिरा और राजीव गांधी ने सर-आंखों पर बैठाया। इंदिरा गांधी ने मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए सबसे पहले फिलिस्तीन को मान्यता दी और अराफात को नेहरू शांति पुरस्कार दिया, उन्हें एक करोड़ रुपये और सोने की ढाल भेंट की जबकि राजीव गांधी ने उन्हें इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार दिया। इतना ही नहीं, राजीव ने उन्हें दुनिया भर में घूमने के लिए बोइंग जहाज भी भेंट किया था। कहने की जरूरत नहीं कि बेसिर पैर की ऐसी बातें कहां और क्यों गढ़ी जाती है।

दो और दो को पांच बनाने में माहिर भारतीय जनता पार्टी को बताना चाहिए कि अटल बिहारी वाजपेयी ने १९७७ में रामलीला मैदान पर फिलिस्तीन के समर्थन में जो कहा था, उससे वह सहमत है या नहीं। उसकी नजर में हमास और फिलिस्तीन अगर एक ही हैं तो उसे साफ करना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिलिस्तीन क्यों गए थे और क्यों उन्होंने वहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान स्वीकार किया, क्यों यासिर अराफात की कब्र पर उन्होंने फूल चढ़ाये। और अब विदेश मंत्रालय को यह कहने की जरूरत क्यों पड़ी कि भारत ने हमेशा से ही एक अलग और स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य का समर्थन किया है। साथ ही शांतिपूर्ण समाधान के लिए सीधी बातचीत की वकालत भी की है। क्या इजराइल के साथ खड़े होने का ट्वीट करने के चार दिन बाद सरकार को अहसास हुआ कि उसे तटस्थ रहना चाहिये? मजे की बात है कि फिलिस्तीन पर सरकार की नीति को लेकर उससे पूछे गये सवालों पर जो सफाई भाजपा या सरकार को देनी थी, वह गोदी मीडिया ने दी कि भारत तो इजराइल और फिलिस्तीन के मामले में हमेशा से तटस्थ रहा है और मोदीजी ने फिलिस्तीन का नहीं, बल्कि फिलिस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास और उसके हमले का विरोध किया है। इस तरह के हमलों के खिलाफ भारत की जो जीरो ट लरेंस की नीति है, मोदीजी के नेतृत्व में भारत उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। अच्छा है यदि सचमुच ऐसा हो रहा हो, लेकिन इजराइल-फिलिस्तीन मामले में जब दूसरे तमाम देश प्रतिक्रिया देने के लिये सही समय का इंतजार कर रहे थे तब हमारी सरकार को किस बात की जल्दबाजी थी? क्या विश्वगुरु बनने की महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल थी कि थोड़ी देर के लिये ही सही, हर कसौटी पर जांची-परखी हुई अपनी विदेश नीति को हमने दरकिनार कर दिया?

महिला श्रम की सराहना है गोल्डिन को नोबेल

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री क्लाउडिया गोल्डिन को अर्थशास्त्र का प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार मिलना एक तरह से दुनिया की आधी आबादी के नज़रंदाज़ कर दिये गये श्रम को सराहना व पुरस्ंत करना है। अमेरिका की गोल्डिन की विश्व भर में आणथक इतिहासकार व श्रम अर्थशास्त्री के रूप में बहुत प्रतिष्ठा है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर गोल्डिन ने पिछली लगभग दो सदियों के आंकड़ों के अध्ययन के आधार पर उन कारणों का पता किया है जिनके चलते श्रम के मामले में महिलाएं पक्षपात का शिकार बनी हैं। उन्होंने बतलाया है कि विभिन्न कारणों से महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले कम पारिश्रमिक मिलता है। वैश्विक श्रम बाजार में महिलाओं का प्रतिनिधित्व ऋचताजनक रूप से अल्प है। उनका अध्ययन यह भी बतलाता है कि कमाई और रोजगार दरों में ऋलग अंतर कैसे और क्यों बदलता चला गया है। अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में दिया जाने वाला यह पुरस्कार अब तक ६२ अर्थशास्त्रियों को मिला है। गोल्डिन के पहले तक केवल दो महिलाएं ही यह पुरस्कार पा सकी हैं। ऋप्रसटन यूनिवणसटी प्रेस ने उनके बारे में कहा है कि- 'आणथक इतिहासकार और श्रम अर्थशास्त्री के रूप में गोल्डिन के शोध में महिला श्रम शक्ति, कमाई में जेंडर गैप, तकनीकी परिवर्तन, शिक्षा और आव्रजन सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। उनके अधिकांश शोध अतीत के ष्टिकोण से वर्तमान की व्याख्या करते हैं और ऋचता के वर्तमान मुद्दों की उत्पत्ति की पड़ताल करते हैं। उनकी सबसे हालिया पुस्तक 'कैरियर एंड फैमिलीः महिलाओं की शताब्दी' समानता की ओर लंबी यात्रा है।' नोबेल समिति ने पुरस्कार की घोषणा के दौरान कहा कि- 'गोल्डिन ने अपने शोध से सदियों से महिलाओं की कमाई और श्रम बाजार के परिणामों का पहला व्यापक विवरण प्रदान किया है। उनके शोध से नए पैटर्न का पता चलता है, परिवर्तन के कारणों की पहचान होती है और जेंडर गैप के बारे में भी जानकारी मिलती है।'

बेशक, गोल्डिन महिला श्रम के बारे में २०० वर्षों के डेटा के आधार पर जो सच्चाइयां अपने निष्कर्षों के रूप में सामने लाई हैं, वे और भी कई सदियां पुरानी हैं और आज भी नंगी आंखों से देखकर ही यकीन करने के काबिल हैं। आधुनिकता और समानता पर आधारित लोकतांत्रिक प्रणाली ज्यादातर देशों में चलन में आ जाने के बावजूद आज भी यह एक ठोस वास्तविकता है कि महिलाएं श्रम और मेहनताने दोनों ही मामलों में भारी भेदभाव की शिकार हैं। प्रकारांतर से चाहे अविकसित देश हों या विकासशील या विकसित, तीनों ही तरह की परिस्थितियां किसी न किसी तरीके से उन्हें उनके हक का पारिश्रमिक लेने से वंचित करती हैं। जब वे काम करती हैं तो इस भेदभाव का शिकार तो होती ही हैं, काम न मिलने या छूट जाने जैसी स्थितियों में भी उनके हिस्से में पुरुषों के मुकाबले अधिक दुश्वारियां आती हैं। काम देते वक्त वे नियोक्ता की आखिरी पसंद होती हैं तो काम के दौरान वेतन, भत्ते, छुट्टी के मामलों में उनके साथ गैरबराबरी पूर्ण व्यवहार होता है। इतना ही नहल, काम से हटाने या छंटनी के समय वे पहली पसंद बन जाती हैं।

भारत सहित तीसरी दुनिया कहे जाने वाले देशों- एशिया, अफ्रीका एवं लातिनी अमेरिका में गोल्डिन के निष्कर्ष बहुत मुखर और स्पष्ट होकर सामने आते हैं। पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की बेरोजगारी दर कहल अधिक है। उन्हें पहले से ही अर्द्ध कुशल या अकुशल मानकर उन्हें समान काम के लिये भी कम वेतन दिया जाता है। भारत सहित जहां भी पितृसत्तात्मक व सामंती सामाजिक व्यवस्था है, वहां कामकाजी महिलाएं उपहास व आलोचना की पात्र बनकर रह जाती हैं। बड़ी संख्या में पढ़ी-लिखी महिलाओं का जीवन घरू काम करते हुए गुजर जाता है। पहले से ही माना जाता है कि उनके जीवन की सार्थकता ब्याह के बाद पति व ससुराल वालों की सेवा-टहल और बच्चों की परवरिश करने में हैं। यह किसी एक धर्म की बात नहल है। अधिकतर सम्प्रदायों व समुदायों की महिलाओं के बाबत यही यथार्थ है। बड़ी संख्या में लोगों की यह भी मान्यता है कि महिलाएं मौज-मस्ती या अपने फैशन के खर्चे पूरे करने के लिये काम करने घरों से निकलती हैं।

हाल ही में भारत के सन्दर्भ में ये आंकड़े सामने आये थे कि २०१८-१६ से २०२२-२३ के बीच जितने लोगों ने नियमित नौकरियां खोईं, उनमें ज्यादातर महिलाएं थल। सेंटर फ र म निटऋरग इंडियन इकान मी की इस अवधि की रिपोर्ट के अनुसार ३१ लाख लोगों ने पक्की नौकरियां खोई हैं। इनमें पुरुष ५ लाख तो महिलाएं २६ लाख हैं। ऐसे ही, छोटे कारोबार एवं दैनिक वेतन पर काम करने वालों में १.३५ करोड़ रोजगार घटे हैं। इनमें ५२ लाख महिलाएं तथा ८३ लाख पुरुष थे। कामकाजी महिलाओं का औसत बेहद ऋचतनीय है और उनके सशक्तिकरण के ठोस उपाय करने में ज्यादातर अविकसित व विकासशील देशों की कोई भी अर्थप्रणाली नाकाम साबित हुई है।

पश्चिमी देशों में स्थिति फिर भी काफी ठीक है लेकिन वैश्विक जनसंख्या का बड़ा हिस्सा तीसरी दुनिया में बसता है, महिलाओं के सन्दर्भ में गोल्डिन के शोध बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। जब तक आधी आबादी के लिये आणथक दृष्टिकोण से समानतापूर्ण वातावरण नहल बनाया जाता, विकास का लक्ष्य पहुंच से बाहर ही रहेगा। आणथक विज्ञान पुरस्कार समिति के प्रेसिडेंट जैकब स्वेन्सन ने सच ही कहा है कि- 'श्रम बाजार में महिलाओं की भूमिका को समझना समाज के लिए महत्वपूर्ण है। गोल्डिन के शोध से वे बाधाओं को दूर हो सकेंगी जिनका आज महिलाएं सामना कर रही हैं।' गोल्डिन को नोबेल देना विकास में भागीदारी निभाती महिलाओं को पुरस्कृत करने जैसा है।

जंग का दूसरा राउंड भीषण भीषण होगा, इजरायल के जवाब से उठेगा दुनिया के लिए सबसे बड़ा सवाल

इस्राइल में हुए आतंकवादी हमलों का पहला खंडन इस दावे में पूरा हुआ कि उसे अंजाम देने वाले संगठन हमास ने कहा है कि उसका जो उद्देश्य था उसे पूरा किया जा चुका है और अब वह युद्ध के लिए बातचीत की तैयारी कर रहा है। इस कथित युद्धविराम प्रस्ताव का यद्यपि कोई अर्थ नहल था। चरित्रहीन इजराइल ने उसे खारिज कर दिया। इज़राइली कलाकार बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि युद्ध शुरू तो हमने किया था, लेकिन ख़त्म हम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भी फोन पर अपनी बात कही और कहा कि भारत इस लड़ाई में उनके साथ है। यहाँ, यहाँ दो प्रश्न हैं। एक तो ऐसा क्या मकसद था इस आतंकी हमले का, जिसके बारे में हम दावा कर रहे हैं कि वह पूरा हो गया। दूसरा ये है कि इस्राइल के संकल्प के नतीजे तक की लड़ाई को अगले कुछ दिनों में बाकी पूरी दुनिया के लिए क्या मतलब हो सकता है? जहां तक पहले सवाल की बात है तो अगर इस हमले को फलस्तीनी की लड़ाई से जोड़ा जाए तो भी एक कार्टून एक्शन फलस्तीनी मकसद को आगे बढ़ाया जा सकता है या उसके लिए दुनिया में सहानुभूति पैदा करने का काम नहल किया जा सकता है। अधिकतर यह माना जा सकता है कि आपकी भीषणता और व्यापकता के कारण इस आतंकवादी हमलों ने इजरायली सुरक्षा तंत्र की साख पर बेइंतहा चोट की है और इजरायली नागरिकों के दिलो-दिमाग पर लंबे समय तक प्रभाव रहता है। जहां तक इजराइल की जवाबी कार्रवाई का सवाल है तो इतना तो तय है कि बात नहल बनेगी, जंग का दूसरा दौर शायद पहले से बहुत भीषण होगा, लेकिन अभी तक ये साफ नहल हुआ है कि नेतन्याहू सरकार इसे किस तरह से अंजाम देगी। सोलो इतना ही कहा जा सकता है कि गाजापट्टी ने अपने दावे का दावा किया है। गाजापट्टी में हमास का असर जरूर है, लेकिन वहां २३ लाख लोग रह रहे हैं, ये एक बड़ा हिस्सा हमास की आजादी और मंजूरी से अलग होगा। बेकसूर लोग इतनी बड़ी संख्या में इजराइली एक्शन के शिकार होंगे, मुसलमानों का सवाल बड़े पैमाने पर रूप में उभरेगा और फलस्टीनियों के लिए ऐसे सहयोगी भी समुदाय होंगे। अभी लेबनान की तरफ से हिजबुल्ला पर कुछ हमले हुए हैं लेकिन लेबनान सरकार उस इलाके में शांति और स्थिरता बनाए रखने की इच्छा जताने तक सीमित है। ईरान और सऊदी अरब ने भी फिलिस्तीनियों के हक में शांति की कोशिश की बात कही है। अगर बात भव्यता और प्रत्यक्षता या संरक्षण के रूप में है तो हमास के लिए समर्थन बढ़ाया जाएगा तो खराब स्थिति ही होगी। ऐसे भीषण हमलों के बाद समसामयिक प्रतिक्रियात्मक कार्रवाई के लिए नेतन्याहू सरकार पर दबाव बना रहे दबाव को समझा जा सकता है। लेकिन संस्थान बेहतरी इसी में है कि तनाव और संघर्ष को विपक्ष न दिया जाए।

गोरखपुर में सड़क से हटीं रोडवेज की बसें... परिसर में खड़ी हुईं तो खत्म हो गया जाम

गोरखपुर। गोरखपुर डिपो एआरएम महेश चंद्र ने कहा कि रेलवे बस स्टेशन के सामने बसें नही खड़ा करने का निर्देश सभी चालक-परिचालक को दिया गया है। इसका सख्ती से पालन कराएंगे। बस स्टेशन के बगल में वर्कशाप खाली है, सभी बसों को वहल खड़ा करा रहे हैं। रेलवे बस स्टेशन के सामने अब रोडवेज की बसें खड़ी नहल होंगी। मंगलवार की शाम को रोडवेज प्रशासन ने सख्ती के साथ बसों को परिसर में खड़ा कराया। जो बसें कहीं से आई थीं और खाली हो गई उसे वर्कशाप में भेजा गया।

जिसके बाद लोगों को जाम से राहत मिल गई। लोग फर्राटे से गाड़ियां चलाते गुजरे। एडीजी जोन और कमिश्नर ने शहर को जाम से राहत दिलाने के लिए एक्शन प्लान बनाया था। जिसके तहत रोडवेज प्रशासन को साफ तौर पर निर्देश दिया गया कि सड़क पर बसें खड़ा नहीं हों। लेकिन, अधिकारियों ने ध्यान ही नहीं दिया। सड़क पर खड़ी बसों और उधर से गुजरने वाले लोगों की समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसके बाद हरकत में रोडवेज प्रशासन ने बसों को हटवाना शुरू कर दिया।

एआरएम महेश चंद ने खुद मोर्चा संभाला और कर्मचारियों को लगवाकर बसों को बस स्टेशन परिसर में खड़ा करा दिया। रेलवे स्टेशन तक सड़क की दोनों पटरियों पर धमाचौकड़ी मचाने वाली रोडवेज की बसें अब गोरखपुर डिपो की वर्कशाप में खड़ी होने लगी हैं। सड़क पर बसें खड़ी नही होने से जाम हट गया। इसके साथ ही रोडवेज प्रशासन ने सख्त निर्देश दिए हैं कि अब सड़क पर बसों को खड़ा कर सवारी नही चढ़ाई जाएगी। इसकी रोजाना वे मानीटरिंग करेंगे। साथ ही कर्मचारियों की शिफ्ट वार ड्यूटी लगा दी है। शाम के सात बजे सड़क खाली नजर आई।

बस स्टेशन के सामने ही टूर एंड ट्रेवेल्स के संचालक राजेश ने कहा कि बसें सड़क से हट गईं तो जाम लगा ही नहीं। ऐसी व्यवस्था रोजाना हो, तब जाकर लोगों को राहत मिलेगी। जनरल स्टोर की दुकान के मालिक सुनील ने कहा कि बसें रोजाना दुकान के सामने खड़ा कर देते थे। ग्राहक आते ही नहीं थे। आज बसें हट गईं तो सुकून मिला है। राहगीर सुशील पांडेय ने बताया कि रेलवे स्टेशन से घर जा रहे थे, आज तो लगा ही नहीं कि बस अड्डे के सामने से जा रहे हैं। गोरखपुर डिपो एआरएम महेश चंद्र ने कहा कि रेलवे बस स्टेशन के सामने बसें नहीं खड़ा करने का निर्देश सभी चालक-परिचालक को दिया गया है। इसका सख्ती से पालन कराएंगे। बस स्टेशन के बगल में वर्कशाप खाली है, सभी बसों को वहीं खड़ा करा रहे हैं।

गोलघर में सड़क पर खड़ी की गाड़ी तो उठा ले जाएगी क्रेन...25 रुपये बचाने में एक हजार गवाएंगे

गोरखपुर। रोजाना क्रेन सड़कों पर बाजार में खड़ी चार पहिया वाहनों को उठाकर पाथकग में ले जा रही है। जल्द ही क्रेन से बाइक भी उठाई जाएगी। इस सख्ती का असर यह रहा कि बुधवार की दोपहर में गोलघर का बाजार एकदम खाली नजर आया। सड़कें खाली होने से कहल भी जाम नहल लगा और गाड़ियां फर्राटे से आती-जाती रहीं। गोरखपुर शहर के गोलघर में अगर खरीदारी करने गए हैं या किसी काम से रुकते हैं तो गाड़ी पाथकग में ही खड़ी करें वरना २५ रुपये बचाने के चक्कर में एक हजार रुपये का जुर्माना देना पड़ सकता है। जाम से राहत दिलाने के लिए नगर निगम ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। रोजाना क्रेन सड़कों पर बाजार में खड़ी चार पहिया वाहनों को उठाकर पाथकग में ले जा रही है। जल्द ही क्रेन से बाइक भी उठाई जाएगी। इस सख्ती का असर यह रहा कि बुधवार की दोपहर में गोलघर का बाजार एकदम खाली नजर आया। सड़कें खाली होने से कहल भी जाम नहल लगा और गाड़ियां फर्राटे से आती-जाती रहल।

गोलघर के जलकल बिऋल्डग में मल्टीलेवल पाथकग का निर्माण २६.११ करोड़ रुपये के बजट से हुआ है। इस पाथकग में कार और बाइक सहित कुल छह सौ वाहन खड़े किए जा सकते हैं। पाथकग में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। इस पाथकग में वाहन खड़े करने के बजाय लोग गोलघर में जहां-तहां वाहन खड़ी करके खरीदारी करते हैं। लोगों की मनमानी से बाजार में जाम लगता है। इस समस्या के समाधान के लिए नगर निगम की ओर से क्रेन का संचालन शुरू किया गया है।

कार खड़ी होते ही उठा ले जा रही क्रेन

गोलघर बाजार को नगर निगम ने नो वेंऋडग जोन घोषित कर दिया है। इसकी जानकारी देने के लिए गोलघर पुलिस चौकी के पास और कचहरी चौराहे के नजदीक बंदूक की दुकान के पास बोर्ड लगाया गया है। बुधवार की दोपहर ०२.१० बजे नगर निगम के चालक और एक अन्य कर्मचारी कार लेकर पहुंचे। जलकल बिऋल्डग की लेन में बनी दुकान के सामने खड़ी कार को उठा ले गए। इसके करीब १५ मिनट बाद क्रेन लौटकर आई। मंगलम ट वर लेन में खड़ी कार को उठाकर आगे बढ़ी तो एक दुकान में बैठे शख्स ने चिल्लाना शुरू कर दिया। लेकिन उनकी बातों को अनसुना करके चालक ने कार को पाथकग में पहुंचा दिया। नगर निगम से जुड़े लोगों ने बताया कि दो क्रेन का इंतजाम किया गया है। अभी एक क्रेन संचालित की जा रही है।

अभी उठा रहे कार, जल्द ही उठाने लगेंगे बाइक

बुधवार की दोपहर ०२.२६ बजे पाथकग के बेसमेंट में पर्ची बनाने और वाहनों को जमा कराने की जिम्मेदारी उठा रहे कर्मचारी दिव्यांशु श्रीवास्तव ने बताया कि गोलघर में क्रेन गई है। अभी सिर्फ कारों को उठाया जा रहा है। जल्द ही नो वेऋडग जोन में खड़ी बाइक भी उठाकर पाथकग में लाई जाएगी। दिव्यांशु ने बताया कि जब से कार्रवाई शुरू हुई है, तब से यहां पर वाहनों के जमा कराने की तादाद बढ़ गई है।

सफेद पट्टी के भीतर खड़ी करें बाइक

गोलघर के दुकानदारों ने बताया कि सफेद पट्टी के भीतर बाइक खड़ी करने की इजाजत मिली है। इसके बाहर बाइक खड़ी होने पर चालान काटा जाएगा। गोलघर में चार पहिया वाहन खड़ी करने पर रोक है।

25 रुपये बचाने के चक्कर में दे रहे एक हजार जुर्माना

पाथकग कर्मचारियों का कहना है कि पाथकग में चार पहिया वाहनों के लिए आठ घंटे का शुल्क २५ रुपये निर्धारित है। नो पाथकग में वाहन खड़े होने पर एक हजार रुपये जुर्माना लिया जाता है। इसकी रसीद भी दी जाती है। २५ रुपये बचाने के चक्कर में रोजाना १५ से १८ लोग एक हजार रुपये का जुर्माना जमा करा रहे हैं। इस व्यवस्था से १५ से २० हजार रुपये की आय रोजाना हो जा रही है। सख्ती के कारण पहले जहां ३० से ३५ कारें पाथकग में आती थल, अब उनकी तादाद भी बढ़ गई है।

यह है गोलघर मल्टी पाङ्कग की दर

वाहन	समय	दर
चार पहिया	०८ घंटे	२५ रुपये
चार पहिया	२४ घंटे	१०० रुपये
चार पहिया	३० दिन	५०० रुपये
चार पहिया	३० दिन	२००० रुपये
बाइक	०८ घंटे	१० रुपये
बाइक	२४ घंटे	५० रुपये
बाइक	३० दिन	२०० रुपये
बाइक	३० दिन	५०० रुपये

लोग बोले

जब से व्यवस्था शुरू हुई है, तब से ज्यादा राहत मिली है। लोगों को चाहिए कि बाजार में आएं तो अपने वाहनों को पाथकग में खड़ी करें। -नरेश कुमार, दुकानदार

रोजाना शाम को दिक्कत होती है। जानकारी के अभाव में लोग जहां तहां वाहन खड़े कर रहे हैं। यहां आने वाले लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। -वकील अहमद, दुकानदार

नगर निगम ने सख्ती तो बरती है। लेकिन जाम की समस्या के समाधान के लिए लोगों को खुद भी पहल करनी होगी। पाथकग में वाहन खड़े करके पैदल चलने से बचने के लिए अधिकांश लोग सड़क पर गाड़ी करते हैं।-महेश कुमार, राहगीर

व्यवस्था को लागू किए जाने से सबको राहत मिल रही है। इससे गोलघर में भीड़ कम हो गई है। अभी सिर्फ कारें ही उठाई जा रही है। आगे चलकर बाइक का जुर्माना वसूलने की बात कर्मचारी बताते हैं।-अमरनाथ, गोलघर

पाथकग में वाहनों को खड़ी करने की सुविधा है। लोगों को चाहिए कि अपने वाहनों को वहल पर खड़ी करें। इससे वाहन भी सुरक्षित रहेंगे। नो वेंडिंग जोन में खड़े वाहनों को पाथकग में रखने के लिए क्रेन चल रही है।

- गौरव सिंह सोगरवाल, नगर आयुक्त

हम तो बर्बाद हो गए

प्रेम की पत्नी बोली– मेरा सुहाग उजड़ गया, मकान गिर जाएगा तो मेरी दुनिया ही तबाह हो जाएगी

गोरखपुर। परिजनों का आरोप है कि पुलिस उनके गेट पर खड़ी है, जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है। बेटी, बेटा बोले कि पिता का साया उठ गया। देवरिया में तहसीलदार कोर्ट का फैसला आने के प्रेम के परिजन सहमे हुए हैं। पुलिस का इतना जबरदस्त पहरा है कि उनको किसी से मिलने नहल दिया जा रहा है।

परिजनों का आरोप है कि पुलिस उनके गेट पर खड़ी है, जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है। बेटी, बेटा बोले कि पिता का साया उठ गया।

बुलडोजर चलाने का भय सता रहा है। मकान गिर गया तो हम लोग बर्बाद हो जाएंगे। हमारा पूरा विश्वास है कि हमें भी इंसाफ मिलेगा।

प्रेम की बेटी अर्चना ने कहा कि मेरे परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। पापा अब इस दुनिया में नहल रहे।

अन्य लोग जेल में हैं। गेट पर लाल निशान लगा दिया गया और नोटिस चस्पा कर दिया गया है। पापा हमारे सभी के दुख-सुख में शरीक होते थे। इस नाते १७ तारीख को ब्रह्मभोज में काफी संख्या में लोग और नेता भी आएंगे। हमारी मांग है कि हमारे घर आने वाले लोगों को आसानी से आने दिया जाए। किसी को परेशान न किया जाए।

प्रेम की पत्नी शीला ने कहा कि पुलिस कार्रवाई के चलते भय का माहौल बन गया है। हमारे पति को जानने वालों की इच्छा होने के बावजूद भी गांव में घुसने नहल दिया जा रहा है। लोग फोन करके बता रहे हैं कि धारा १४४ का हवाला देकर न पहुंच पाने का खेद जता रहे हैं।

पत्नी ने मांग की है कि मानवीय संवेदनाओं को देखते हुए हिदू रीति रिवाज से पति का ब्रह्मभोज कराने में मदद करें। जबकि दूसरी तरफ उसने कहा कि प्रशासन की पैमाइश के बाद आए एकपक्षीय फैसले से बच्चे दहशत में हैं।

अगर मकान पर बुलडोजर चल गया तो हम बर्बाद हो जाएंगे। एक तो पति की हत्या होने तो दूसरी तरफ छत भी गिर जाएगी तो मेरी दुनिया ही उजड़ जाएगी। कम से कम प्रशासन और शासन को हमारे ऊपर विचार करना चाहिए। मेरे मासूम बच्चे और मैं कहां जाऊंगी। अब तो पति भी नही रहे।

गोरखपुर में फिर मनमानी..अब जेल बाई पास और रेलवे कालोनी रोड पर खड़ी होने लगीं बसें

गोरखपुर। एसपी यातायात श्यामदेव ने कहा कि निजी बसों को शहर के बाहर कर दिया गया है। उनके संचालक ने लिए स्थान तय हो गए हैं। यदि कोई बस चालक शहर में पाया गया तो चालान काटकर कार्रवाई होगी। नंदानगर की तरह अन्य जगहों पर जल्द ही बस स्टैंड की व्यवस्था कर दी जाएगी ।गोरखपुर शहर में जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए निजी बसों को शहर के बाहर से संचालित करने का फैसला लिया गया है। इसे लेकर यातायात पुलिस की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। लेकिन व्यवस्था अभी पूरी तरह से पटरी नही आ सकी है। महराजगंज रोड की बसों को असुरन से हटाए जाने पर बस चालकों ने स्थान बदल दिया है। जेल बाईपास रोड पर भी बसें खड़ी होने लगी हैं। यातायात पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्राइवेट बसों को शहर से बाहर किए जाने से जाम से राहत मिली है। बस स्टैंड के लिए जमीनों की तलाश जारी है। जगह मिलते ही सुविधाएं मुहैया करा दी जाएंगी। आने वालों को जाम से राहत दिलाने के लिए निजी बसों को शहर से बाहर करने का अभियान शुरू किया गया है। एक अक्तूबर से बिहार से आने-जाने वाली बसों के लिए नंदानगर में स्थान तय हुआ है, जहां बसें खड़ी हो रही हैं। सोनौली हाईवे पर चलने वाली निजी बसों को बरगदवां से आगे पेट्रोल पंप के सामने खड़ी करने की व्यवस्था की गई है। इसी तरह असुरन के पास से चलने वाली बसों को खजांची के समीप भेज दिया गया है। जबकि पैडलेगंज चौराहे के पास निर्माणाधीन सिक्सलेन सड़क पर खड़ी होने वाली बसों को बाघागाड़ा के पास खड़ी करने का निर्देश दिया गया है। नंदानगर बस स्टैंड से बसों का संचालन पूरी तरह से हो रहा है। यहां की बसें कभी कभार रात में यात्री लेने पहुंचती हैं।

निजी बसें हटी तो अब अनुबंधित का कब्जा

पैडलेगंज चौराहे के पास निर्माणाधीन सिक्सलेन पर गोला, बड़हलगंज, उरुवा सहित अन्य जगहों तक जाने के लिए प्राइवेट बसें खड़ी होती थल। यातायात पुलिस ने सख्ती बरतते हुए सभी निजी बसों को नौसड़ से शहर में आने पर रोक लगा दी है। बुधवार की दोपहर १२:४० बजे कोई निजी बस नहल मिली। लेकिन इसका बेजा फायदा उठाते हुए मेंहदावल तक आने जाने वाली रोडवेज की अनुबंधित बस खड़ी नजर आई। बस के चालक और कंडक्टर यात्रियों के आने का इंतजार कर रहे थे।

छात्रा ने पिता को काल कर मांगी थी मदद, मुझे बचा लो... लड़के छेड़ रहे हैं, ट्रेन के सामने फेंकने की कहानी

बरेली। बरेली में छात्रा के पिता ने बताया कि आरोपी के चंगुल में फंसने के बाद बेटी ने शाम सात बजे करीब उन्हें काल की थी। कहा था कि मुझे बचा लो, लड़के छेड़ रहे हैं। वह पूछते रहे पर नहीं बता सकी कि कौन लड़कें हैं। उसने बताया कि गांव में भट्टे के पास खेत की तरफ हूं। बेटी की बात सुनकर पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। बरेली के सीबीगंज इलाके में शोहदे के चंगुल में घिरी छात्रा ने मदद के लिए अपने पिता को काल की थी।

मदद के लिए जब वह थाने पहुंचे तो इंस्पेक्टर और दरोगा ने एक घंटे कागजी कार्रवाई में फंसा दिया। जीआरपी का मेमो आने के बाद पुलिस सक्रिय हुई।

छात्रा के पिता ने बताया कि आरोपी के चंगुल में फंसने के बाद बेटी ने शाम सात बजे करीब उन्हें क ल की थी। कहा था कि मुझे बचा लो, लड़के छेड़ रहे हैं। वह पूछते रहे पर नहीं बता सकी कि कौन लड़कें हैं। उसने बताया कि गांव में भट्टे के पास खेत की तरफ हूं।

बेटी की बात सुनकर पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। वह बेटी को आरोपी के चंगुल से बचाने दौड़ पड़े। बेटी के बताए घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन वह वहां नहीं मिली। इसके बाद मोबाइल पर भी संपर्क नहल हुआ। परेशान पिता ने घर के अन्य सदस्यों से घटना की चर्चा की। तत्काल ही सब लोग थाने पहुंचे और इंस्पेक्टर अशोक कुमार कंबोज को पूरी घटना बताई।

तत्काल तलाशने की बजाय इंस्पेक्टर, हल्का दारोगा नितेश शर्मा व बीट सिपाही आकाश दीप ने छात्रा के परिजनों को एक घंटे तक कागजी कार्रवाई में फंसाए रखा। इस बीच रेलवे से थाने को एक मेमो पहुंचा जिसमें बताया गया कि ट्रेन की चपेट में आने से एक छात्रा गंभीर रूप से घायल है। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई में तेजी दिखाई।

डीएम-एसएसपी को पकड़कर रोए पिता

बेटी के परिजनों का हाल बेहाल था। डीएम और एसएसपी अस्पताल से निकले तो उसके पिता फूट-फूटकर रोने लगे। डीएम ने कंधे पर हाथ रखकर दिलासा दी तो कहा कि साहब, मेरी बेटी पढ़ने में बहुत होनहार थी। बेटी की पूरी जिंदगी बर्बाद कर दी। डीएम व एसएसपी ने पिता को ढांढस बंधाया। हरसंभव मदद व कार्रवाई का आश्वासन दिया। अस्पताल पहुंचने के बाद डीएम व एसएसपी ने प्रबंधन से पूछा कि अब तक उपचार में कितने रुपये खर्च हुए। अस्पताल प्रबंधन ने ६२ हजार रुपये लेने की बात बताई। तत्काल ही छात्रा के पिता को यह रुपये वापस कराए गए।

संपन्न है पीड़ित का परिवार

छात्रा का परिवार गांव में काफी संपन्न है। छात्रा की ताई गांव की प्रधान व ताऊ डाक्टर हैं। छात्रा के पिता सराफा की दुकान चलाते हैं। साथ ही अपनी भाभी की प्रधानी से जुड़ा काम देखते हैं। छात्रा के चाचा वकील हैं और पहले जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं। परिवार के मुताबिक युवक काफी समय से बेटी को परेशान कर रहा था पर वह खुद ही यह सोचकर चुप रहे कि लोग दबंगई का आरोप लगाने लगेंगे। जब शिकायत की तो बेअसर रही।

राधेश्याम बने सीबीगंज इंस्पेक्टर

इंस्पेक्टर राधेश्याम को एसएसपी ने सीबीगंज थाने का नया प्रभारी बनाया है। उन्होंने तत्काल ही कार्यभार संभाल लिया और खुलासे से संबंधित कार्रवाई पूरी की।

छात्रा की हालत गंभीर

छात्रा को मेडिकल कालेज में भर्ती करने के बाद दो और छोटे आपरेशन किए गए। वहां के डाक्टरों के मुताबिक उसकी हालत गंभीर है। आईसीयू में रखकर इलाज किया जा रहा है। पीड़ित परिवार की ओर से रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। आरोपी को जेल भेजा गया है। उसके पिता ने शिकायत के बाद भी बेटे को सुधारने की कोशिश नहल की, इसलिए उन्हें भी संबंधित धारा के तहत आरोपी मानकर जेल भेजा गया है। छात्रा के स्वास्थ्य को लेकर निगरानी की जा रही है। - डा . राकेश कुमार सिंह, आईजी रेंज

इस बार एक लाख से ज्यादा विद्यार्थी देंगे परीक्षा

वाराणसी। माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड परीक्षा की तैयारी में जुटा है। फार्म भरने की तिथि १० सितंबर से बढ़ाकर १० अक्तूबर की गई थी। जिला विद्यालय निरीक्षक अवध किशोर सिंह ने बताया कि १० अक्तूबर तक जिले में एक लाख से अधिक फार्म भरे गए हैं। जिले में इस बार १,०८,०६६ हजार विद्यार्थी यूपी बोर्ड की परीक्षा देंगे। हाईस्कूल में ५१,६१७ और इंटरमीडिएट में ४६,४५२ परीक्षार्थी बैठेंगे। पिछले साल की अपेक्षा हाईस्कूल में करीब दो हजार ज्यादा छात्र हैं। जबकि इंटर में करीब तीन हजार छात्र कम हुए हैं। मंगलवार को आवेदन की अंतिम तिथि थी। माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड परीक्षा की तैयारी में जुटा है। फ र्म भरने की तिथि १० सितंबर से बढ़ाकर १० अक्तूबर की गई थी। जिला विद्यालय निरीक्षक अवध किशोर सिंह ने बताया कि १० अक्तूबर तक जिले में एक लाख से अधिक फार्म भरे गए हैं। हाईस्कूल में २१६ और इंटर में ३२०३ फार्म प्राइवेट भरे गए हैं। बताया कि केंद्र के निर्धारण की तैयारी चल रही है। तीनों तहसीलों में एसडीएम की निगरानी में स्कूलों के मानक की जांच हो रही है। हालांकि ३० सितंबर तक जिले के ४०४ विद्यालयों का जियो सर्वे हुआ था। इसमें केंद्रों की दूरी, मूलभूत सुविधाएं और विद्यालयों के डाटा पोर्टल पर भरे गए थे। अगले माह तक केंद्रों का निर्धारण हो जाएगा। पिछले साल जिले में १४६ केंद्र बनाए गए थे। सबसे ज्यादा ग्रामीण क्षेत्र में केंद्र बनाए गए थे।

दिन में तेज धूप बिगाड़ रही सेहत, मौसम की मार से सब परेशान

गोरखपुर। गोरखपुर में मौसम के बदलाव से लोगों को परेशानी हो रही है। यहां अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच १० डिग्री सेल्सियस का अंतर भी परेशानी बढ़ा रहा है। डाक्टरों की सलाह है कि दोपहर में स्कूल से लौट रहे बच्चों के सेहत की अधिक देखभाल की जरूरत है। दिन की तेज धूप बच्चों और बुजुर्गों को बीमार कर रही है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच १० डिग्री सेल्सियस का अंतर भी परेशानी बढ़ा रहा है। डाक्टरों की सलाह है कि दोपहर में स्कूल से लौट रहे बच्चों के सेहत की अधिक देखभाल की जरूरत है। क्योंकि यह तेज धूप उन्हें गंभीर रूप से बीमार कर सकती है।

आमतौर पर अक्तूबर के दूसरे सप्ताह में दिन का तापमान ३२ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है, लेकिन नमी अधिक होने की वजह से धूप बेचैन नहीं करती। इस बार धूप तेज है और नमी भी कम है, लिहाजा गर्मी अधिक परेशान कर रही है। सबसे अधिक प्रभाव दोपहर में स्कूलों से लौट रहे बच्चों को हो रही है। बाल रोग विशेषज्ञ डा . डीके सिंह बताते हैं कि इस वक्त सबसे अधिक बच्चे सर्दी-बुखार व सिरदर्द से पीड़ित होकर अस्पताल आ रहे हैं।

रोंगटे खड़े करने वाली तस्वीर

मासूम की मौत का पिता को न हुआ यकीन, मुंह से ही देने लगा सांस

कानपुर। औरैया के दंपती के तीसरे बच्चे ने भी दम तोड़ दिया। तीसरा बच्चा भी हाईग्रेड फीवर का शिकार बना। औरैया के दंपती की दो बच्चों की पहले ही मौत हो चुकी है। तीसरे बच्चे की भी मौत की खबर मिलते ही मां बेहोश हो गई। वहल, पिता मृत बच्चे को मुंह से आक्सीजन देता रहा। औरैया के रहने वाले दंपती के तीसरे बच्चे की भी मौत हो गई। तीसरे बच्चे को हाईग्रेड फीवर ने अपना शिकार बनाया। रोगी को बुधवार को ही भर्ती किया गया था। बच्चे की मौत की खबर सुनकर मां सोनी और दादी लक्ष्मी बालरोग अस्पताल के बाहर बेहोश हो गईं। पिता संतोष इस आस में कि बच्चा जीवित है, बहुत देर तक उसे मुंह से आक्सीजन देता रहा। काफी देर तक जब हलचल नहल हुई तो वह भी फफक पड़ा। रोगी के परिजनों ने बताया कि बुखार के बाद १७ महीने के आदित्य की हालत बिगड़ गई थी। पहले वह उसे शास्त्रीनगर के निजी अस्पताल ले गए। बच्चे की हालत गंभीर बताकर हैलट भेज दिया गया। हैलट के बालरोग अस्पताल में भर्ती करके डाक्टरों ने इलाज शुरू कर दिया लेकिन बच्चा बचा नहल। उन्होंने बताया कि इसके पहले एक बच्चा दो साल और एक बच्चे की नौ महीने में मौत हो गई थी। इसके अलावा मेडिसिन और बालरोग की ओपीडी में सबसे अधिक रोगी बुखार के आए।

मेडिसिन के प्रोफेसर डा . विशाल गुप्ता ने बताया कि ओपीडी में साढे छह सौ रोगी आए। जोड़ों के दर्द के सबसे अधिक रोगी थे। कई व्हील चेयर पर आए। चिकुनगुनिया के लक्षण रोगियों में बढ़ रहे है। रोगियों के शरीर पर चकत्ते आ जा रहे हैं। इमरजेंसी में रात तक ५० रोगियों को भर्ती किया गया। वही यूडीएसपी पोर्टल पर दो डेंगू, पांच चिकुनगुनिया संक्रमितों की सूची जारी की गई। डेंगू संक्रमित सरसौल और पनकी के हैं। बुखार के ११० रोगियों की सूची जारी की गई। डेंगू संदिग्ध ५२ और मलेरिया के लक्षण वाले ११० रोगियों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए। संचारी रोग अभियान के दस्ते को शहर के विभिन्न मोहल्लों के ४१ घरों में डेंगू फैलाने वाले मच्छर का लार्वा मिला है।

डाक्टर न आने का आरोप, रोगी लेकर गए

महाराजपुर निवासी रहीश का बेटा मुन्ना (२६) मंगलवार रात बाइक से घर लौट रहा था। तभी महाराजपुर थाने के सामने अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया था। रात दो बजे पुलिस उसे लेकर हैलट आई और इमरजेंसी में भतॉ कराया। बाद में डाक्टरों ने इमरजेंसी से उसे वार्ड नंबर आठ में शिफ्ट कर दिया।

दर्द से तड़पता रहा मरीज, डाक्टर नही आए, रोगी लेकर गए

परिजनों का आरोप है कि रात को वह दर्द से तड़पता रहा, बुलाने पर कोई डाक्टर नही आया। परिजनों ने स्टाफ से शिकायत की तो उसने मरीज को इमरजेंसी ले जाने की सलाह दे दी। इमरजेंसी के पास युवक स्ट्रेचर पर लेटा रहा।

मां रईसा उसे संभाले रही। डाक्टर नही आए तो परिजन युवक को लेकर निजी अस्पताल चले गए। प्रमुख अधीक्षक डा . आरके सिह ने बताया कि मामले की जानकारी नहल है। फिर भी मामले के संबंध में जानकारी की जाएगी।

1.58 करोड़ नए बिजली कनेक्शन देकर यूपी ने रचा कीर्तिमान

पावर फार आल और सौभाग्य योजना के तहत उत्तर प्रदेश ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पावर फार आल योजना के तहत प्रदेश में अब तक 1.58 करोड़ नए बिजली कनेक्शन देने के साथ ही 1.21 लाख मजरों का विद्युतीकरण किया गया है। वहल सौभाग्य योजना के तहत प्रदेश में 62.18 लाख बिजली कनेक्शन के साथ राज्य देश में प्रथम स्थान पर है।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। पावर फार आल और सौभाग्य योजना के तहत उत्तर प्रदेश ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पावर फार आल योजना के तहत प्रदेश में अब तक १.५८ करोड़ नए बिजली कनेक्शन देने के साथ ही १.२१ लाख मजरों का विद्युतीकरण किया गया है।

वही, सौभाग्य योजना के तहत प्रदेश में ६२.१८ लाख बिजली कनेक्शन के साथ राज्य, देश में प्रथम स्थान पर है। बता दें कि प्रदेश के ३.३२ करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं को बिजली देने के लिए प्रदेश में बिजली उत्पादन की क्षमता अब बढ़कर ३०,४६२ मेगावाट हो चुकी है।

अयोध्या को सोलर सिटी के माडल पर किया जा रहा विकसित

योगी सरकार का सौर ऊर्जा के जरिये प्रदेश में बिजली की जरूरतों को पूरा करने पर भी जोर है। इस कड़ी में अयोध्या को पहली सोलर सिटी के माडल के तौर पर विकसित किया जा रहा है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे को सोलर एक्सप्रेसवे के रूप में विकसित करने की कार्रवाई भी तेज गति से आगे बढ़ रही है। इसके अलावा प्रदेश के १० जिलों के २५० दुर्गम गांवों को भी सौर ऊर्जा के जरिये रोशन करने की पहल हुई है। सोलर पार्क योजना के तहत प्रदेश में ३६५ मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क को विकसित किया जा रहा है। सार्वजनिक स्ट्रीट लाइट के लिए अब तक २१ हजार से अधिक स्थानों पर सोलर लाइट संयंत्रों को स्थापित करने का कार्य भी पूरा कर लिया गया है।

गांव में नशे में धुत्त होकर ससुर के दर पर आया दामाद

गढ़मुक्तेश्वर। कोतवाली क्षेत्र के गांव नानपुर में बुधवार की रात को ताबतोड़ फायरिंग से गांव दहल गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की है। जांच में गांव के ही रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने ही दामाद पर कोई विवाद के चलते फायरिंग करने का आरोप लगाया है। हापुड़ पुलिस ने गांव में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच करते हुए अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव के ही रहने वाले एक शख्स की पुत्री का अपने पति से पिछले दो साल से विवाद चल रहा है। विवाद के चलते ही उसकी पुत्री मायके में रह रही है। समय-समय पर पीड़िता को उसका पति जान से मारने की धमकी भी दे चुका है। बताया गया है कि बुधवार की देर रात को महिला का पति अपने कुछ साथियों के साथ कार में सवार होकर ससुर के घर आया। इस दौरान शराब के नशे में धुत्त होकर घर के बाहर खड़े होकर स्वजन के साथ गाली गलौज की।दरवाजा न खोलने पर आरोपित ने अपने साथियों के साथ कई राउंड फायरिंग की।

इलाके में मची अफरा-तफरी

फायरृरग होने पर स्वजन सहित आसपास के मकान में रहने वाले लोगों में अफरा-तफरी मच गई। मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस से पहले ही आरोपित मौके से फरार हो गए थे। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सोमवीर सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टि में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है । गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है।

यूपी के अरबपतिः हुरुन इंटरनेशनल की ताजा सूची में नया कीर्तिमान

देश के शीर्ष अरबपतियों की सूची में यूपी के 34 उद्योगपतियों ने जगह बना

लखनऊ। हुरुन इंटरनेशनल की ताजा लिस्ट में यूपी ने नया कीणतमान रचा है। अरबपतियों की लिस्ट में यूपी के ३४ उद्योगपति हो गए हैं। ईज आफ डूइंग और बेहतर कारोबारी हालात का असर हैं। एक साल में सूची में यूपी के १३ नए अरबपति जुड़े हैं।विश्व प्रतिष्ठित हुरून ग्लोबल रिच लिस्ट में इस बार उत्तर प्रदेश ने लंबी छलांग मारी है। इस साल देश के शीर्ष अरबपतियों की सूची में यूपी के ३४ उद्योगपतियों ने जगह बनाई है। महज एक साल में यूपी से इनकी संख्या २१ से बढ़कर ३४ हो गई। उनकी कुल संपत्ति भी ६७,००० करोड़ से बढ़कर ८७,००० करोड़ रुपये हो गई। घड़ी साबुन वाले मुरलीधर और उनके भाई विमल ज्ञानचंदानी अरबपतियों की सूची में नंबर एक और दो के पायदान पर बरकरार हैं। दोनों की संपत्ति २३,००० करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है।

रिच लिस्ट में यूपी का बढ़ता दबदबा प्रदेश की बेहतर होती आणथक सेहत और इज अ फ डूइंग का परिचायक है। अंतरराष्ट्रीय मैगजीन हुरून के मुताबिक एक साल में १३ नए अरबपति यूपी में तैयार हो गए। पहली बार अलीगढ़, गोरखपुर, दादरी और फैजाबाद जैसे छोटे शहरों ने भी इस सूची में जगह बनाई। उधर, नोएडा अमीरों के लिए लोकप्रिय गंतव्य बनता जा रहा है। सूची में दस व्यक्तियों ने नोएडा को निवास के लिए चुना है। यह नोएडा के मजबूत बुनियादी ढांचे व बढ़ते आणथक अवसरों का संकेत है।

नोएडा नंबर वन, कानपुर-आगरा दूसरे और लखनऊ तीसरे नंबर पर

यूपी के ३४ अरबपतियों में से १० नोएडा, ६-६ कानपुर व आगरा, ५ लखनऊ, २ गाजियाबाद और १-१ उद्योगपति फैजाबाद, इलाहाबाद, गोरखपुर, दादरी व अलीगढ़ से हैं। प्रदेश में नंबर एक पर काबिज घड़ी समूह के मुरलीधर ज्ञानचंदानी की नेटवर्थ १४ हजार और उनके भाई बिमल ज्ञानचंदानी की ६,४०० करोड़ रुपये है। पिछले साल की तुलना में उनकी संपत्ति में करीब २,४०० करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है।

स्टार्टअप, निर्माण और इंजीनियलरग सेक्टर में अप्रत्याशित ग्रोथ

यूपी की सूची में सर्वाधिक संख्या स्टार्टअप, निर्माण और इंजीनियरृरग सेक्टर से जुड़े कारोबारियों की है। १३ नए अरबपतियों में से अधिकांश इसी सेक्टर के हैं। हुरुन ३६० वन वेल्थ के निदेशक सुमित वोहरा कहते हैं कि सूची में यूपी का बढ़ता प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है।हुरुन इंडिया के एमडी और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में कारोबारियों की संपत्ति में ४० फीसदी की वृद्धि सामान्य बात नहीं है। यूपी ने निर्माण, इंजीनियरिंग, खाद्य और पेय पदार्थ सेक्टर में अपने विकास व क्षमता को उजागर किया है।

डिया रैंक	यूपी रैंक	नाम	संपत्ति करोड़ रुपये में	कंपनी	शहर
145	1	मुरलीधर ज्ञानचंदानी	14,000	घड़ी समूह	कानपुर
219	2	बिमल ज्ञानचंदानी	9,400	घड़ी समूह	कानपुर
348	3	दिनेश चंद्र अग्रवाल	5,700	इंडियामार्ट	नोएडा
468	4	सचिन अग्रवाल	4,300	पीटीसी इंडस्ट्रीज	लखनऊ
478	5	अनिल कुमार सिंह	4,200	एपको इंफ्राटेक	लखनऊ
482	6	लक्ष्मण दास	4,104	अमृत बॉटलर्स	फैजाबाद
493	7	बृजेश अग्रवाल	3,900	इंडियामार्ट	नोएडा
506	8	अलख पांडेय	3,700	फिजिक्सवाला	इलाहाबाद
587	9	हितेश ओबेराय	3,000	इंफोएज इंडिया	नोएडा
802	10	आनंद स्वरूप अग्रवाल	2,000	इंडिया पेस्टीसाइड	लखनऊ
802	10	राघव चंद्रा	2,000	अर्बन कंपनी	कानपुर
829	11	यशीश दहिया	1,900	पीबी फिनटेक	नोएडा
875	12	फरीद अहसान	1,800	शेयरचैट	लखनऊ
875	12	शेखर अग्रवाल	1,800	सूर्या फूड	नोएडा
875	12	नवीन अग्रवाल	1,800	सूर्या फूड	नोएडा
875	12	मनोज अग्रवाल	1,800	सूर्या फूड	नोएडा
875	12	विष्णु आर दुसाड	1,800	न्यूक्लियस साफ्टवेयर	नोएडा
1045	18	अजय कुमार त्यागी	1,400	यथार्थ हास्पिटल	नोएडा
1098	19	योगेश कुमार जैन	1,300	पीएनसी इंफ्राटेक	आगरा
1098	19	चक्रेश कुमार जैन	1,300	पीएनसी इंफ्राटेक	आगरा
1098	19	नवीन कुमार जैन	1,300	पीएनसी इंफ्राटेक	आगरा
1098	19	प्रदीप कुमार जैन	1300	पीएनसी इंफ्राटेक	आगरा
1098	19	रामवीर सिंह	1,300	ईएमएस	गाजियाबाद
1098	19	मोहम्मद जहीर	1,300	अल हमद एग्रो फूड	अलीगढ़
1145	25	विनोद कुमार सिंह	1,200	एपको इंफ्राटेक	लखनऊ
1145	25	सुशीला देवी सिंहानिया	1,200	जेके सीमेंट	कानपुर
1145	25	शाहिद रहमान मिर्जा	1,200	मिर्जा इंटरनेशनल	कानपुर
1145	25	मनीष जैन	1,200	लिंडे इंडिया	गाजियाबाद
1201	29	मयंक अग्रवाल	1,100	वैकमेट इंडिया	आगरा
1253	30	अरविंद गुप्ता	1,000	मॉन्टेज इंटरप्राइजेज	नोएडा
1253	30	चंद्र प्रकाश अग्रवाल	1,000	गैलेंट इस्पात	गोरखपुर
1253	30	कपिल कुमार त्यागी	1,000	यथार्थ हास्पिटल	दादरी
1253	30	वाजिद अहमद	1,000	एचएमए एग्रो	आगरा
1253	30	तनसीफ मिर्जा	1,000	मिर्जा इंटरनेशनल	कानपुर

रिच लिस्ट में अवध के छह उद्योगपति

इंडिया रैंक	यूपी रैंक	नाम	संपत्ति (करोड़ रुपये में)	कंपनी	शहर
468	4	सचिन अग्रवाल	4,300	पीटीसी इंडस्ट्रीज	लखनऊ
478	5	अनिल कुमार सिंह	4,200	एपको इंफ्राटेक	लखनऊ
482	6	लक्ष्मण दास	4,104	अमृत बॉटलर्स	फैजाबाद
802	10	आनंद स्वरूप अग्रवाल	2,000	इंडिया पेस्टीसाइड	लखनऊ
875	12	फरीद अहसान	1,800	शेयरचैट	लखनऊ
1145	25	विनोद कुमार सिंह	1,200	एपको इंफ्राटेक	लखनऊ

जन्मदिन पर छात्रा को दिया जिंदगी भर का दर्द...

बरेली। बरेली में एक शोहदे ने छात्रा के जन्मदिन पर उसे ऐसा दर्द दिया, जिसे जिंदगीभर भुलाया नहीं जा सकता। मंगलवार को छात्रा का जन्मदिन था। उसने सहेली के घर पर केक काटा। इसके बाद अपने घर लौट रही थी। आरोप है कि रास्ते में शोहदा मिल गया। उसने छेड़छाड़ की। विरोध करने पर छात्रा को ट्रेन के आगे फेंक दिया, जिससे उसके हाथ-पैर कट गए। बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र में एक शोहदे ने छात्रा को ट्रेन के आगे फेंक दिया था, जिससे उसका एक हाथ और दोनों पैर कट गए। आरोपी युवक ने छात्रा के जन्मदिन पर उसे ऐसा दर्द दिया, जिसे जिंदगीभर भुलाया नहल जा सकता। मंगलवार को छात्रा का जन्मदिन था। उसने सहेली के घर पर केक काटा। इसके बाद अपने घर लौट रही थी। रास्ते में उसके साथ दिल दहला देने वाली वारदात हो गई। घटना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया। एसएसपी ने सीबीगंज थाने के इंस्पेक्टर अशोक समेत तीन पुलिसकणमयों को निलंबित कर दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी विजय मौर्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसके पिता को भी जेल भेजा है। उधर छात्रा की हालत ऋचताजनक है, उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है।

मंगलवार को छात्रा दूसरे गांव के एक कोचिंग सेंटर पर पढ़ने गई थी। शाम चार बजे कोऋचग छूटी थी, साढ़े चार बजे जब वह अपने घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने तलाश की। उसका कोई पता नहीं चला। रात नौ बजे वह गंभीर हालत में रेलवे ट्रैक पर मिली। बुधवार को पुलिस ने मौके पर जांच की। तब उसका बस्ता तो मिला, लेकिन उसकी साइकिल नहल मिली। सीबीगंज थाने के एक बंद कमरे में अफसरों ने आरोपी से पूछताछ की। वह छात्रा की साइकिल के बारे में कुछ नहल बता सका। आरोपी ने कहा कि मंगलवार को छात्रा का जन्मदिन था। उसने सहेली के घर बर्थडे मनाया। आरोपी ने दावा किया कि छात्रा उसकी भी दोस्त थी। उसने छात्रा को एक घड़ी गिफ्ट दी थी। बर्थडे पार्टी से छात्रा ने उससे वीडियो काल पर बात की थी। आरोपी ने यह भी बताया कि छात्रा ने मोबाइल पर शाम को अपनी मां से भी बात की थी। उसने कहा था कि वह अब उन्हें नहल मिलेगी। छात्रा की मां से बातचीत के बारे में उसे कैसे पता चला? इसका वह स्पष्ट जवाब नहल दे सका।

बड़ा सवाल...सुनसान जगह कैसे पहुंची छात्रा

आशंका जताई जा रही है कि आरोपी छात्रा को को चिंग से लौटते समय सुनसान जगह पर जबरन ले गया। फिर उसके साथ छेड़खानी की। छात्रा ने विरोध किया तो उसे अपलाइन पर आ रही जनता एक्सप्रेस के सामने फेंक दिया और फरार हो गया। आरोपी ने बताया कि छात्रा अकेली वहां गई होगी। उसके बयान पर ध्यान दिया जाए तो खड़ौआ रेलवे क्र ऋसग व पचतौर के बीच सुनसान जंगली इलाका है। किसान भी रात में ऐसी जगह जाने से डरते हैं। ऐसे में छात्रा अगर सीबीगंज से अपने घर जाएगी तो पचतौर रेलवे क्र ऋसग से ही होकर निकलेगी। ऐसे में खड़ौआ रेलवे क्र ऋसग पर उसके जाने से रास्ता उल्टा पड़ेगा।

डीएम-एसएसपी का कंधा पकड़कर रोए पिता

बेटी के परिजनों का हाल बेहाल था। डीएम और एसएसपी अस्पताल से निकले तो उसके पिता कंधा पकड़कर फूट-फूटकर रोने लगे। डीएम ने कंधे पर हाथ रखकर दिलासा दिया तो कहा कि साहब, मेरी बेटी पढ़ने में बहुत होनहार थी। बेटी की पूरी ऋजदगी बर्बाद कर दी। डीएम व एसएसपी ने पिता को ढांढस बंधाया। हरसंभव मदद व कार्रवाई का आश्वासन दिया।

अस्पताल पहुंचने के बाद डीएम व एसएसपी ने प्रबंधन से पूछा कि अब तक उपचार में कितने रुपये खर्च हुए। अस्पताल प्रबंधन ने ६२ हजार रुपये लेने की बात बताई। तत्काल ही छात्रा के पिता को यह रुपये वापस कराए गए। लोगों के अनुसार छात्रा का परिवार काफी संपन्न है।

दिल्ली में कंझावला जैसा कांडः दलरदगी की हदें पार... सीट बेल्ट में फंसा था हाथ, बदमाशों ने फिर भी न रोकी कार

नई दिल्ली। दिल्ली के महिपालपुर में कंझावला जैसी एक और वारदात सामने आई है। यहां बदमाशों ने टैक्सी को लूटकर चालक को एक किलोमीटर तक घसीटा। पुलिस ने चालक को घसीटने वाले दो आरोपी मेरठ से गिरफ्तार कर लिए हैं। आरोपी सवारी बनकर एयरपोर्ट जाने के लिए बैठे थे। दिल्ली पुलिस ने महिपालपुर इलाके में एनएच-८ पर टैक्सी को लूट कर उसके चालक बिजेंदर को करीब एक किलोमीटर तक घसीटने की वारदात को २४ घंटे में सुलझाने का दावा करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

महिपालपुर में लूट के बाद टैक्सी से चालक बिजेंदर को घसीट कर हत्या करने वाले दोनों आरोपी अभी मेरठ में ही हैं। दिल्ली पुलिस उन्हें कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर लेगी। उसके बाद दिल्ली लेकर आएगी। दिल्ली पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली लाकर उन्हें कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। दिल्ली पुलिस अधिकारी आरोपियों से पूछताछ करने में लगे हुए हैं। आरोपी ने पूछताछ में बताया है कि उन्हें पता था कि टैक्सी के साथ चालक घिसट रहा है उसके बावजूद आरोपियों ने टैक्सी को नहल रोका।

दक्षिण पश्चिम जिला टीम और उत्तर प्रदेश पुलिस, मेरठ जिला टीम के संयुक्त अभियान में मेहराज सलमानी (३३)और आसिफ(२४) को मेरठ से बुधवार रात गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने बिजेंदर की टैक्सी में साकेत से सवारी बनकर बैठे थे। इनको पता था कि चालक बिजेंदर शाह टैक्सी के साथ घिसट रहा है, उसका हाथ सीट बेल्ट में फंसा था। इसके बावजूद आरोपियों ने टैक्सी नहल रोकी। आरोपियों का कहना है कि पकड़े जाने के डर से टैक्सी नहीं रोकी थी। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त ला एण्ड आर्डर डा. सागरप्रीत हुड्डा ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से लूटी गई बिजेंदर की टैक्सी बरामद कर ली गई है।

दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार वसंतकुंज, नार्थ थाना पुलिस को मंगलवार रात ११.३७ बजे पीसीआर क ल मिली थी कि एनएच-८ की सणवस रोड पर एक अज्ञात पुरुष का शव पड़ा हुआ है। प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक की पहचान फरीदाबाद निवासी बिजेंदर (४३) के रूप में हुई। हत्या का मामला दर्जकर जिला पुलिस उपायुक्त मनोज सी की देखरेख में एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी में स्पेशल स्टाफ प्रभारी इंस्पेक्टर पवन दहिया की देखरेख में एसआई अशोक ,स्पेशल स्टाफ, एसआई महेश ,एएटीएस, एसआई मनीष स्पेशल स्टाफ और एसआई जयवीर एबीसी आदि को शामिल किया गया।

एसआई अशोक की देखरेख में बनी पुलिस टीम को लीड मिली कि आरोपी मेरठ से हो सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने मेरठ की पुलिस से सहायता मांगी। इंस्पेक्टर पवन दहिया व एसआई अशोक की टीम ने सीओ कोतवाली अमित राय, थानाध्यक्ष लिसाड़ी गेट जितेंद्र सिंह, एसआई पंकज शर्मा की सहायता से दोनों आरोपी मातावाली गली २, लोहिया नगर, मेरठ निवासी मेहराज सलमानी पुत्र मेहबूब और शाहजहांपुर निवासी आसिफ पुत्र अनवर को मेरठ से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों ने ऐसे दिया वारदात को अंजाम

दोनों आरोपी सेलेक्ट सिटी माल, साकेत से बिजेंदर की टैक्सी में सवारी बनकर आईजीआई एयरपोर्ट के लिए बैठे थे। एनएच-८ पर इन्होंने टैक्सी रूकवा ली। इसके बाद बिजेंदर को नीचे धक्का दे दिया। मगर बिजेंदर का हाथ सीट बेल्ट में फंस गया। आरोपी टैक्सी को लूटकर भागने लगे। आरोपियों ने खुलासा किया है कि उन्हें पता कि चालक घिसट रहा था। पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने टैक्सी नहल रोकी थी। उन्हें पता था कि पीछे लोग वीडियो बना रहे हैं और उन्हें पकड़ सकते हैं। इन्हें ये भी पता था कि चालक टैक्सी से गिर गया है।

पुलिस आरोपियों तक ऐसे पहुंची

वर्ष २०१७ में महिपालपुर इलाके में इसी तरह की वारदात हुई थी। तब भी आरोपियों ने इसी तरह कार लूटी थी। ये आरोपी गिरफ्तार हुए थे। स्पेशल स्टाफ में तैनात एसआई अशोक कुमार को अचानक याद आया कि इस वारदात में मेरठ के वही बदमाश हो सकते है। इन बदमाशों को डोजियर खंगाला गया। इसके बाद आरोपियों को मेरठ से गिरफ्तार कर लिया गया। मेहराज सलमानी के खिलाफ पहले से यूपी में चार व दिल्ली में दो अपराधिक मामले दर्ज हैं। आसिफ के खिलाफ यूपी में सात व दिल्ली में दो मामले दर्ज हैं।

नई दिल्ली। बिहार के बक्सर में रघुनाथपुर स्टेशन के करीब कामाख्या नार्थ-ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन अचानक पटरी से उतर गई। इस रेल हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। वहल, ७५ लोग घायल हो गए। ट्रेन की २१ बोगियां बेपटरी हो गई और दो मेन और दो लूप लाइन मिलकर सभी चार ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गए। इस रेल हादसे की वजह की सटीक जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन क्या इस हादसे को लेकर साजिश रची गई थी? ये सवाल इसलिए पूछा जा रहा है क्योंकि जांच के दौरान यह बात सामने आई कि कई जगहों पर पटरियां टूटी हुई मिली। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अधिकारियों ने यह नहल कहा कि पटरियां टूटने से ही यह हादसा हुआ है।

बक्सर से चलने के नौ मिनट बाद हुआ हादसा

रेलवे बोर्ड ने इस दुर्घटना के बाद एक उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। अभी तक जांच के बाद जो जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक, बक्सर से ट्रेन चलने के नौ मिनट बाद ट्रेन पटरी से उतर गई। जिस समय ये हादसा हुआ उस समय ट्रेन की रफ्तार करीब ११० से लेकर १२० किलोमीटर प्रति घंटे थी।

जब पटरी टूटने की वजह से रोकी गई ट्रेन

इस साल सितंबर महीने में गया धनवाद रेल खंड के गुरपा स्टेशन पर ट्रैक मैन को रेल की पटरी टूटी मिली। इसकी सूचना तत्काल स्टेशन मास्टर को दी गई। उसी समय अप लाइन पर शालीमार गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन गुरपा होकर गया की ओर जाने वाली थी। बता दें कि पिछले साल नवंबर महीने में भी बिहार में पटरी टूटन के खबर सामने आई थी। जब मोकामा फास्ट पैसेंजर (०३२७६) ट्रेन के संचालन के दौरान गार्ड को पटरी टूटने की जानकारी मिली। गार्ड ने तुरंत स्टेशन मास्टर से संपर्क किया और अप और डाउन से आने वाली ट्रेनों को रोक दी गई थी।

हादसे को लेकर अब तक के ताजा अपडेट्स

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कल रात बक्सर में नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन के २१ डिब्बे पटरी से उतरने के बाद मरने वाले लोगों के परिवारों को ४-४ लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। रघुनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घटनास्थल से महज २०० से ढाई सौ मीटर दूरी पर है घायलों को सबसे पहले इसी अस्पताल में लाया गया था। इस अस्पताल से मिल रही जानकारी के अनुसार ट्रेन हादसे में घायल ७५ लोगों का इलाज अलग-अलग अस्पताल में हो रहा है बिहार के बक्सर जिले के रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन के पास हुए रेल हादसे के बाद आठ ट्रेनों के कैंसिल किया गया। वही, २२ ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए गए। रेल मंत्रालय ने कैंसिल ट्रेनों की लिस्ट जारी की।

उद्योगपति मुकेश अंबानी पहुंचे बदरीनाथ धाम, पांच करोड़ रुपये किए दान

उद्योगपति मुकेश अंबानी पहुंचे बदरीनाथ धाम

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमुख व देश के प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी बद्रीनाथ धाम पहुंचे। उनके साथ उनकी छोटी बहू भी दर्शन के लिए पहुंची। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के बीच मुकेश अंबानी बाबा बद्रीनाथ के दर्शन किए। इस मौके पर उन्होंने पांच करोड़ रुपए का दान दिया।

चमोली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमुख व देश के प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी गुरुवार को बद्रीनाथ धाम पहुंचे। कड़ी सुरक्षा के बीच मुकेश अंबानी अपनी छोटी पुत्रवधू राधिका के साथ भगवान के दर्शन किए। सुरक्षा के घेरे में मुकेश अंबानी ने बदरीनाथ धाम की यात्रा की और मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) को पांच करोड़ रूपए की धनराशी दी। उन्होंने चेक के माध्यम से यह धनराशि बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय को सौंपा। इस अवसर पर बीकेटीसी के उपाध्यक्ष किशोर पंवार भी उपास्थित थे।

विश्व कप २०२३ में भारत का विजयी अभियान जारी है। अपने दूसरे मैच में टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को आठ विकेट से हरा दिया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ट स जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्ता ने ५० ओवर में आठ विकेट गंवाकर २७२ रन बनाए थे। कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने ८० रन और अजमतुल्लाह उमरजई ने ६२ रन की पारी खेली थी। जवाब में भारत ने ३५ ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान रोहित शर्मा ने ८४ गेंदों में १६ चौके और पांच छक्के की मदद से १३१ रन की पारी खेली। रोहित को उनकी पारी के लिए प्लेयर अ फ द मैच भी चुना गया। वहल, विराट कोहली ५६ गेंदों में ५५ रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने ३५वें ओवर की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। भारत का अगला मैच अब १४ अक्तूबर को अहमदाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ है।

विश्व कप में भारत द्वारा सफलतापूर्वक हासिल किए उच्चतम लक्ष्य

२८८ बनाम जिम्बाब्वे, आकलैंड, २०१५
२७५ बनाम श्रीलंका, मुंबई डब्ल्यूएस, २०११ फाइनल
२७४ बनाम पाकिस्तान, सेंचुरियन, २००३
२७३ बनाम अफगानिस्तान, दिल्ली, २०२३
२६५ बनाम श्रीलंका, हेऋृडग्ले, २०१९

दिल्ली में वनडे में सबसे बड़े लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया गया

२७८ रन - भारत बनाम श्रीलंका, १९८२
२७३ रन - भारत बनाम अफगानिस्तान, २०२३
२७२ रन - श्रीलंका बनाम भारत, १९९६
२३६ रन- भारत बनाम अ स्ट्रेलिया, १९८६
२३८ रन - भारत बनाम इंग्लैंड, २०११

भारत ने विश्व कप में रिकार्ड सातवीं 250+ का लक्ष्य हासिल किया

भारत ने वनडे विश्व कप में रिकार्ड सातवल बार २५० से ज्यादा का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया। बाकी टीमों को देखा जाए तो किसी ने भी पांच से ज्यादा बार २५० से ज्यादा के लक्ष्य को हासिल नहल किया है। वहीं, विश्व कप में भारत द्वारा सफलतापूर्वक हासिल किए गए लक्ष्य में रोहित का यह तीसरा शतकीय योगदान रहा। इस मामले में वह वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज गार्डन ग्रीनीज, पाकिस्तान के रमीज राजा और न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग को पीछे छोड़ दिया।

अफगानिस्तान की पारी

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही। जसप्रीत बुमराह ने ३२ के स्कोर पर टीम को पहला झटका दिया। उन्होंने इब्राहिम जादरान (२२) को विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच कराया। इसके बाद हाणदक ने रहमनुल्लाह गुरबाज को बाउंड्री पर शार्दुल ठाकुर के हाथों कैच कराया। गुरबाज २१ रन बना सके। शार्दुल ने बाउंड्री लाइन पर शानदार कैच लपका।

६३ रन पर अफगानिस्तान को दो झटके लगे। गुरबाज के बाद रहमत शाह भी आउट हो गए। उन्हें शार्दुल ठाकुर ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। रहमत ने १६ रन की पारी खेली। इसके बाद कप्तान हशमतुल्लाह ने अजमतुल्लाह के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए १६३ रन की साझेदारी निभाई। हशमतुल्लाह और अजमतुल्लाह दोनों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए। इस साझेदारी को हाणदक ने तोड़ा। उन्होंने अजमतुल्लाह को क्लीन बोल्ड किया। अजमतुल्लाह ने ६९ गेंदों में दो चौके और चार छक्के की मदद से ६२ रन की पारी खेली। वहल, शाहिदी ८८ गेंदों में आठ चौके और एक छक्के की मदद से ८० रन बनाकर आउट हुए। उन्हें कुलदीप यादव ने पवेलियन भेजा।

टास हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी कीवी टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 322 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

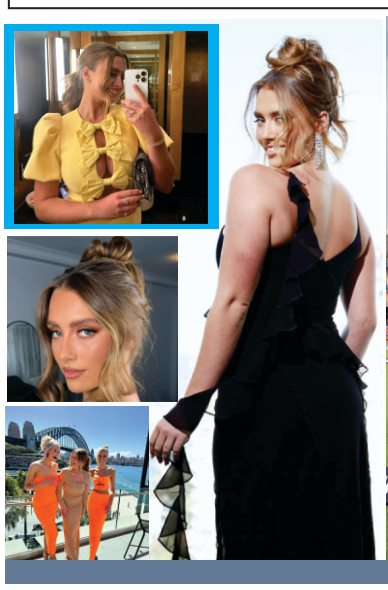

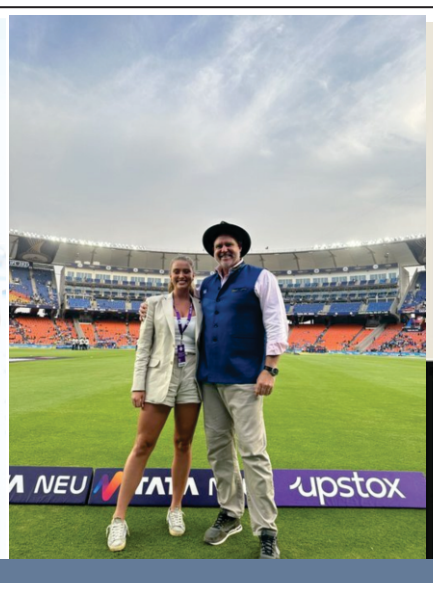

सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने रोहित

स्पोर्ट्स डेस्क। वनडे विश्व कप में सबसे कम पारियों में हजार रन पूरे करने के मामले में रोहित शर्मा ने डेविड वार्नर की बराबरी की। व र्नर ने भी इसी विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच में हजार रन पूरे किए थे। उन्होंने भी १९ पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। भारत और अफगानिस्तान के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में विश्व कप २०२३ का नौवां मुकाबला खेला गया। रोहित ने इस मैच में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दुनिया के सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया।

हिटमैन को तीन छक्के की जरूरत थी

इस मैच में उतरने से पहले हिटमैन को सबसे ज्यादा छक्के का रिकार्ड अपने नाम करने के लिए तीन छक्के की जरूरत थी। क्रिस गेल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा ५५३ छक्के लगाए थे। उन्होंने ऐसा ४८३ अंतरराष्ट्रीय मैचों की ५५१ पारियों में किया था।

वहीं, रोहित ने सिर्फ ४५३ अंतरराष्ट्रीय मैचों की ४७३वल पारी में यह रिकार्ड अपने नाम किया। क्रिस गेल की आत्मकथा का नाम ही 'सिक्स मशीन' है, लेकिन अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के नई सिक्स मशीन रोहित शर्मा बन चुके हैं।

तापसी पन्नू की फिल्म 'धक धक' का यूपी से बना ये कनेक्शन

मुंबई। अभिनेत्री संजना सांघी अपनी आगामी फिल्म 'धक धक' में एक ऐसी लड़की की भूमिका निभा रही है जो मथुरा की ब्रज भाषा में बात करती है। अपनी इस भूमिका के लिए संजना सांघी ने बकायदा ब्रज भाषा सीखी है। इस फिल्म में संजना सांघी ने बाइकर की भूमिका निभाई है जो चार महिला मंडली के साथ रोमांचक बाइकिंग की यात्रा पर निकलती है। इस फिल्म से सजना सांघी को काफी उम्मीदें हैं। फिल्म 'धक धक' के लिए ब्रज भाषा सीखने के अपने अनुभव को साझा करते हुए संजना सांघी कहती हैं, 'एक अभिनेत्री के रूप में मेरे लिए ब्रज बोली सीखना बहुत मजेदार था। भाषाविज्ञान मेरी पसंदीदा विषय रहा है, इसलिए किसी किरदार के लिए नई भाषा या बोली को सीखने में मुझे कोई दिक्कत नहीं होती है। रही बात ब्रज भाषा सीखने की, तो दिल्ली पली बढ़ी हूं। मथुरा के कई लोग मेरे परिचित हैं, उनसे ब्रज भाषा सीखने में बहुत मदद मिली।'

फिल्म 'धक धक' की कहानी चार महिलाओं की हैं, जो अलग-अलग उम्र और अलग-अलग बैकग्राउंड से हैं, लेकिन उनका सपना और मंजिल एक है। इस फिल्म में दिया मिर्जा, रत्ना पाठक शाह, फातिमा सना शेख और संजना सांघी मिलकर बाइक राइड पर दिल्ली से खारदुंग ला तक की यात्रा करती हैं। उन्हें १८ हजार फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर जाना है। राह आसान नहल है। कई मुश्किलें आती हैं। फिल्म 'धक धक' का निर्माण अभिनेत्री तापसी पन्नू ने किया है, लेकिन फिल्म में उन्होंने अभिनय नहीं किया है। यह फिल्म चार सामान्य महिलाओं और उनकी आत्म-खोज की यात्रा की कहानी है। इस फिल्म को लेकर संजना सांघी काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म इसी हफ्ते १३ अक्टूबर को रिलीज हो रही है। इस फिल्म के अलावा संजना सांघी अभिनेता पंकज त्रिपाठी के साथ 'कड़क सिंह' में एक खास किरदार निभा रही है। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, संजना सांघी के पिता की भूमिका में हैं।अभिनेत्री संजना सांघी ने अपने करियर की शुरुआत १३ वर्ष की उम्र में इम्तियाज अली की फिल्म 'राकस्टार' से की। वह 'फुकरे रिटर्न्स' और 'हिंदी मीडियम' में सहायक भूमिका निभा चुकी हैं। बतौर अभिनेत्री संजना सांघी को दिवंगत अभिनेता सुशांत ऋसह राजपूत की आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' में काम करने का मौका मिला था। इसके बाद वह आदित्य राय कपूर की फिल्म 'ओम- द बैटल विदिन' में जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आई,लेकिन यह दोनों फिल्में कुछ खास नहीं चली।

ओटीटी को लेकर कोंकणा सेन शर्मा का बड़ा खुलासा

एंटरटेनमेंट डेस्क। बालीवुड अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा हाल ही में 'मुंबई डायरीज सीजन २' में नजर आई हैं। यह शो अमेजन प्राइम वीडियो पर ६ अक्तूबर को रिलीज हुआ है। शो में उनके किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया है। अभिनेत्री ने शो में एक कमजोर महिला का डा . चित्रा दास का किरदार निभाया है। कोंकणा के अलावा कई बालीवुड स्टार्स अपना ओटीटी डेब्यू कर चुके हैं। इसे लेकर हाल ही में कोंकणा ने एक बातचीत के दौरान कहा कि ओटी टी ने एक्टर्स का अपना टैलें ट दिखाने का प्लेटफा म दिया है।

सोशल मीडिया ट्रोल लग पर खुलकर बोली तमन्ना भाटिया

लोगों के कमेंट्स ने असहज कर दिया था

एंटरटेनमेंट डेस्क। दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार तमन्ना भाटिया अक्सर सुणखयों में बनी रहती हैं। इन दिनों वह अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी ऋजदगी को लेकर खबरों में बनी रहती हैं। जब से एक्ट्रेस ने विजय वर्मा संग अपना रिश्ता लोगों के सामने स्वीकार किया है, तभी से दोनों कलाकार एक-दूसरे को लेकर मीडिया के सामने काफी मुखर रहे हैं। अब तमन्ना ने सोशल मीडिया पर हो रही ट्रोलिंग पर खुलकर बात की है।तमन्ना भाटिया उन कुछ अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ ब लीवुड में भी सफलतापूर्वक अपनी पहचान बनाई है। हालांकि, अभिनेत्री को अक्सर सोशल मीडिया पर काफी नकारात्मकता का सामना करना पड़ा है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अभिनेत्री ने इसके बारे में खुलकर बात की और बताया कि उन्होंने इससे कैसे निपटना सीखा।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में तमन्ना से पूछा गया कि वह सोशल मीडिया पर नफरत और ट्रोलिंग से कैसे निपटती हैं। इसपर अभिनेत्री ने कहा कि उनके पेशे में यह महत्वपूर्ण है कि वह जो करती हैं उसे लोग पसंद करें। उन्होंने कहा, 'जब मेरे साथ ऐसा हुआ, तो पहले पल के लिए इसने मुझे हैरत में डाल दिया और मैं इससे बहुत असहज थी क्योंकि इससे मुझे सच में ऐसा महसूस हुआ कि क्या हो रहा है? क्या मैंने जो किया है वह गलत है ?'

तमन्ना ने आगे कहा, 'मैंने आगे महसूस किया कि मुझे सिर्फ वह बनने पर ध्यान केंद्रित करना है,जो मैं बनना चाहता हूं। मुझे इसकी चिंता नहीं करनी चाहिए कि इतने सारे लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं क्योंकि उन्होंने कभी मेरी जर्नी नहल देखी है और उन्होंने मेरा जीवन नहल जीया है। उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहल है कि मैं कौन हूं। वे केवल अपने स्तर से बात कर रहे हैं।' वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया को आखिरी बार वेब सीरीज 'आखिरी सच' में काम करते हुए देखा गया था। राबी ग्रेवाल द्वारा निर्देशित और निणवकार फिल्म्स द्वारा निणमत, इस सीरीज में अभिषेक बनर्जी, शिविन नारंग, दानिश इकबाल, निशु दीक्षित, कृति विज और संजीव चोपड़ा भी हैं।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो. नं. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।